SHODH SAMAGAM

ISSN : 2581-6918 (Online), 2582-1792 (PRINT)

छत्तीसगढ़ राज्य में कृषि की स्थिति एवं राज्य के आर्थिक विकास में कृषि क्षेत्र का योगदान

अरुणेश कुमार गुप्ता, (Ph.D.), वाणिज्य विभाग,
विवेकानंद महाविद्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

ORIGINAL ARTICLE

Corresponding Author
अरुणेश कुमार गुप्ता, (Ph.D.), वाणिज्य विभाग,
विवेकानंद महाविद्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

shodhsamagam1@gmail.com

Received on : 05/10/2020
Revised on : -----
Accepted on : 12/10/2020
Plagiarism : 02% on 06/10/2020

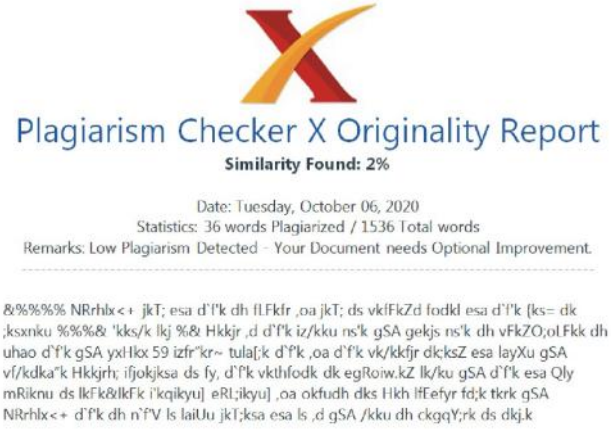
Plagiarism Checker X Originality Report
Similarity Found: 2%

Date: Tuesday, October 06, 2020
Statistics: 36 words Plagiarized / 1536 Total words
Remarks: Low Plagiarism Detected - Your Document needs Optional Improvement.

&%%%% NRrhlx<+ jkT; esa d`f'k dh fLFkfr ,oa jkT; ds vkfFkZd fodkl esa d`f'k {ks= dk ;ksxnku %%%& 'kks/k lkj %& Hkkjr ,d d`f'k iz/kku ns'k gSA gekjs ns'k dh vFkZO;oLFkk dh uhao d`f'k gSA yxHkx 59 izfr"kr~ tula[;k d`f'k ,oa d`f'k vk/kkfjr dk;ksZ esa layXu gSA vf/kdka"k Hkkjrh; ifjokjksa ds fy, d`f'k vkthfodk dk egRoiw.kZ lk/ku gSA d`f'k esa Qly mRiknu ds lkFk&lkFk i'kqikyu] eRL;ikyu] ,oa okfudh dks Hkh lfEefyr fd;k tkrk gSA NRrhlx<+ d`f'k dh n`f'V ls laiUu jkT;ksa esa ls ,d gSA /kku dh ckgqY;rk ds dkj.k

शोध सार

भारत एक कृषि प्रधान देश है। हमारे देश की अर्थव्यवस्था की नींव कृषि है। लगभग 59 प्रतिशत् जनसंख्या कृषि एवं कृषि आधारित कार्यो में संलग्न है। अधिकांश भारतीय परिवारों के लिए कृषि आजीविका का महत्वपूर्ण साधन है। कृषि में फसल उत्पादन के साथ–साथ पशुपालन, मत्स्यपालन, एवं वानिकी को भी सम्मिलित किया जाता है। छत्तीसगढ़ कृषि की दृष्टि से संपन्न राज्यों में से एक है। धान की बाहुल्यता के कारण छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा भी कहा जाता है। राज्य में कृषि आय का प्रमुख स्त्रोत है। यहाँ की 80 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या अपनी आजीविका के लिए कृषि एवं कृषि पर आधारित उद्योगों पर आश्रित है। कृषि छत्तीसगढ़ राज्य अर्थव्यवस्था की नींव एवं रीढ़ है। इस शोध के माध्यम से राज्य में कृषि अर्थात् कृषि फसल, पशुपालन, मत्स्य संसाधन एवं वानिकी की पिछले कुछ वर्षों की स्थिति उनका राज्य के सकल घरेलू उत्पादन में योगदान तथा राज्य सरकार द्वारा कृषि विकास के लिए चलाई जाने वाली योजनाओं का अध्ययन किया गया है।

मुख्य शब्द

छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था, सकल घरेलु उत्पाद, आर्थिक सर्वेक्षण, छत्तीसगढ़ की कृषि संबंधित योजनाएं।

प्रस्तावना

छत्तीसगढ़ राज्य प्राचीनकाल से ही अपनी कला और संस्कृति के लिए पृथक पहचान रखता है। यह क्षेत्र भारतसंघ में अपनी जनजाति बाहुल्य, खनिज एवं वन संपदा में संपन्नता के लिए अपना विशेष स्थान रखता है। इस क्षेत्र की आशातित विकास की संभावनाओं को लेकर मध्यप्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2000 के तहत् छत्तीसगढ़ राज्य का गठन हुआ। तत्कालीन मध्यप्रदेश

राज्य के दक्षिण–पूर्व भाग के 30.47 प्रतिशत् को पृथक कर 1 नवम्बर वर्ष 2000 को भारत के 26 वें राज्य के रूप में छत्तीसगढ़ का गठन किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य का वर्तमान क्षेत्रफल 1,35,191 वर्ग किलोमीटर है, जो भारत के कुल क्षेत्रफल का 4.11 प्रतिशत् है। क्षेत्रफल के आधार पर छत्तीसगढ़ भारत का 10वां बड़ा राज्य है। छत्तीसगढ़ एक कृषि प्रधान राज्य है। यहाँ की 80 प्रतिशत् जनसंख्या कृषि पर आश्रित है। जो प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से कृषि या कृषि आधारित आर्थिक क्रियाओं में संलग्न है राज्य में कृषि आधारित कई उद्योग संचालित है जो राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। राज्य निर्माण के समय प्रदेष में आवश्यक संरचनाओं, बीज प्रक्रिया केन्द्रों, प्रशिक्षण केन्द्रों का अभाव था इसलिए राज्य में कृषि की उत्पादकता अन्य राज्यों की तुलना में कम थी। राज्य गठन के पश्चात् कृषि विकास के कार्यक्रमों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने एवं कृषोन्मुखी योजनाओं के क्रियान्वयन के फलस्वरूप कृषि विकास की गति में तेजी आई है। छत्तीसगढ़ की कृषि का अध्ययन हम कृषि फसल, पशुपालन, मत्स्यपालन एवं वानिकी के रूप में भिन्न–भिन्न करेंगें।

शोध के उद्देश्य

1. छत्तीसगढ़ की कृषि फसल, पशुपालन, मत्स्यसंसाधन एवं वानिकी की स्थिति का अध्ययन।
2. छत्तीसगढ़ की सकल घरेलू उत्पादन में कृषि का योगदान।
3. छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा कृषि विकास के लिए चलाई जा रही योजनाओं का अध्ययन।

शोध पद्धति

उक्त शोध का पूर्ण रूप से द्वितीयक समंको पर आधारित है जिसके संग्रहण के लिए विभिन्न पुस्तकों, वेबसाईट एवं सामाचार पत्रों का प्रयोग किया गया है।

1. छत्तीसगढ़ में कृषि फसल की स्थिति

छत्तीसगढ़ के कुल भूमि के लगभग 51.6 प्रतिषत् भाग में कृषि फसल का कार्य किया जाता है। वर्तमान में प्रदेश का कुल क्षेत्रफल 137.88302 लाख हेक्टेयर है। जिसमें से 46.81090 हजार हेक्टेयर क्षेत्र कृषि हेतु उपलब्ध है। प्रदेश में 37.46 लाख कृषक परिवारों में से 76 प्रतिशत् लघु एवं सीमांत कृषि श्रेणीं में आते है। छत्तीसगढ़ को मुख्यतः 3 कृषि जलवायु क्षेत्रों में विभाजित किया जाता है।

अ) छत्तीसगढ़ का मैदान

राज्य में छत्तीसगढ़ का मैदान समतल क्षेत्र है। यहां लाल–पीली तथा कछारी मिट्टी पाई जाती है। यह क्षेत्र अपेक्षाकृत अधिक विकसित है। यह द्विफसली क्षेत्र है। यहां मुख्य रूप से धान, मूंगफली, अरहर, लाखड़ी, मकई, गेंहूँ, अलसी, सरसों व तिल की फसलें प्रमुख है। इस क्षेत्र में मुख्यतः रायपुर, दुर्ग, राजनांदगाँव, बिलासपुर, महासमुंद, धमतरी, कोरबा, जांजगीर–चांपा तथा कांकेर आदि जिले आते है।

ब) दण्ड़कारण्य का पठार

यह क्षेत्र वनाच्छादित है। यहां लाल रेतीली मिट्टी पाई जाती है जिसकी उर्वरक क्षमता कम होती है। अतः यहां अधिकांशतः मोटे अनाज जैसे : कोदो–कुटकी, ज्वार, बाजरा, मक्का, कुल्थी आदि उत्पादित किए जाते है। इनके अलावा तिल, तिवरा, चाँवल एवं गेंहूँ का भी उत्पादन किया जाता है। इस क्षेत्र में कोण्ड़ागाँव, बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा एवं नारायणपुर जिले शामिल है।

स) उत्तरी पहाड़ी क्षेत्र

इस क्षेत्र में कृषि कार्य अपेक्षाकृत कठिन है। यहां टिकरा, छावर, गोदाछावर मिट्टी पाई जाती है। यहां की प्रमुख फसलें मूंगफली, सरसों, आलू, अलसी, गन्ना, सब्जियाँ, फल एवं मसालें हैं। इस क्षेत्र में सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया, बलरामपुर, जशपुर एवं रायगढ़ का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

छत्तीसगढ़ की प्रमुख फसलें एवं उनका उत्पादन

(हजार मीट्रिक टन में)

क्रं.		फसल	2014–15	2015–16	2016–17	2017–18	2018–19
1.	अनाज	धान	11966.6	7731.5	13189.9	8623.5	9762.8
2.		गेंहूँ	153.3	142.33	151.08	141.64	446.13
3.		ज्वार	4.2	4.36	5.44	4.7	2.81
4.		मक्का	235.1	237.74	309.32	306.94	303.60
5.		कोदो–कुटकी	20.7	11.93	23.05	14.87	22.23
6.		जौं	2.7	0.67	1.88	1.96	1.36
7.		छोटे अनाज	8.9	7.87	4.97	5.74	5.76
1.	दालें	चना	311.2	218.8	338.32	331.67	680.03
2.		तुअर	35.1	30.6	39.01	25.52	30.13
3.		उड़द	30.1	28.91	30.57	28.52	26.98
4.		मूंगमोढ़	4.2	6.56	6.44	4.92	4.85
5.		कुल्थी	14.3	15.09	16.37	15.76	14.86
6.		लाख	297.9	192.1	222.63	129.79	124.23
1.	तिलहन	मूंगफली	40.8	37.25	46.93	32.112	78.05
2.		रामतिल	11.3	10.24	11.39	10.69	10.7
3.		तिल	8.0	6.82	7.55	5.19	5.67
4.		सोयाबीन	50.1	40.12	76.13	30.31	52.20
5.		अलसी	11.2	9.45	10.10	4.57	4.37
6.		राईसरसों	24.6	25.96	18.43	18.35	18.96
1.	गन्ना		76.1	46.9	109.58	64.21	93.38

(स्त्रोत : http://descg.gov.in/)

छत्तीसगढ़ राज्य में फसल क्षेत्र का सकल घरेलू उत्पाद में योगदान

वर्ष	योगदान (लाख रू.)	वृद्धि %	योगदान %
2014–15	2045885	3.19	11.68
2015–16	1978955	–3.27	10.97
2016–17	2454184	24.01	12.57
2017–18	1982601	–19.22	9.71
2018–19	2297560	15.89	10.52

(स्त्रोत : http://descg.gov.in/)

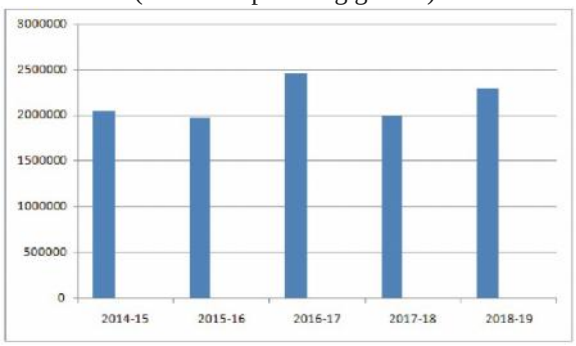

2. छत्तीसगढ़ राज्य में पशुपालन की स्थिति

छत्तीसगढ़ में लगभग 1.50 करोड़ पशुधन की संख्या है। जिसमें गौवंशीय पशु 65 प्रतिशत, बकरी 21 प्रतिशत, भैंसवंशीय 10 प्रतिशत, सूकर 3 प्रतिशत एवं भेड़वंशीय 1 प्रतिशत है।

पशुनाम	संख्या
गौवंशीय	98.13 लाख
बकरी	32.25 लाख
भैंस	13.90 लाख
सूकर	4.39 लाख
भेड़वंशीय	1.60 लाख

(स्त्रोत : http://descg.gov.in/)

छत्तीसगढ़ में पशुधन क्षेत्र का सकल घरेलू उत्पाद में योगदान

वर्ष	योगदान (लाख रू.)	वृद्धि%	योगदान%
2014–15	245276	–1.7	1.40
2015–16	253157	3.21	1.40
2016–17	284250	12.28	1.46
2017–18	313526	10.30	1.54
208–18	322592	2.89	1.48

(स्त्रोत : http://descg.gov.in/)

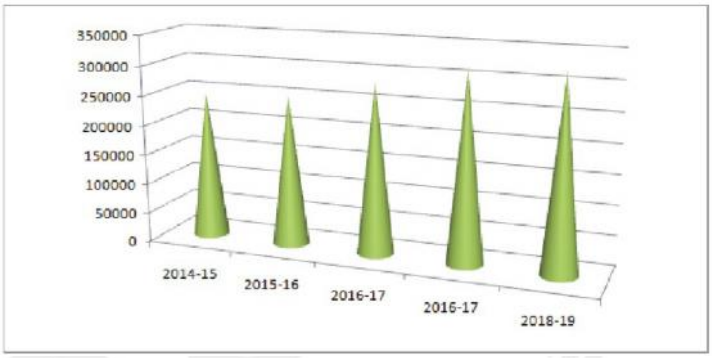

3. छत्तीसगढ़ में मत्स्य संसाधन की स्थिति

छत्तीसगढ़ राज्य में कुल 1.837 लाख हेक्टेयर जल क्षेत्र में मत्स्यपालन की क्षमता है। जिसमें 1.739 लाख हेक्टेयर जल क्षेत्र पर मछली उत्पादन किया जाता है जो कुल क्षेत्र का 94.66ः है। वर्तमान में मछली उत्पादन में राज्य का देष में 6 वां स्थान है। मत्स्यपालन अधिक आय कम लागत और कम समय में सहायक आर्थिक क्रिया के रूप में ग्रामीण अंचलों में अत्यंत प्रिय है।

छत्तीसगढ़ में मत्स्यपालन क्षेत्र का सकल घरेलू उत्पादन में योगदान

वर्ष	योगदान (लाख रू.)	वृद्धि%	योगदान%
2014–15	294258	10.25	1.68
2015–16	320482	8.91	1.78
2016–17	352891	10.11	1.81
2017–18	428201	21.34	2.10
2018–19	457659	6.88	2.09

(स्त्रोत : http://descg.gov.in/)

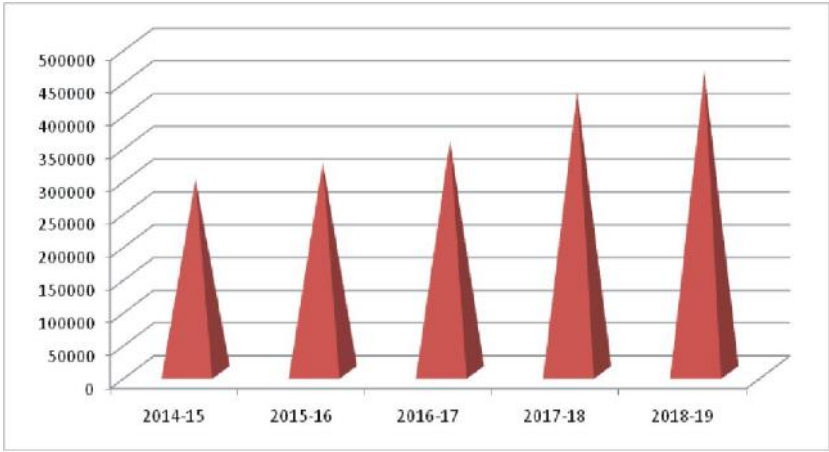

4 छत्तीसगढ़ में वानिकी की स्थिति

छत्तीसगढ़ राज्य में कुल वनों का क्षेत्रफल 59,772 वर्ग किलोमीटर है। भारत संघ में छत्तीसगढ़ का वनावरण के आधार पर तीसरा स्थान है। छत्तीसगढ़ वन क्षेत्रफल भारत के कुल वनक्षेत्रफल का 7.40 प्रतिषत् है। राज्य के कुल क्षेत्रफल में 44.21 प्रतिशत् वनक्षेत्र है।

वन वर्गीकरण	वनक्षेत्र (वर्ग कि.मी.)	प्रतिशत्
आरक्षित	25782.17	43.13
संरक्षित	24036.10	40.22
अवर्गीकृत	9954.13	16.65
योग	59,772.40	100%

(स्त्रोत : http://descg.gov.in/)

छत्तीसगढ़ के सकल घरेलू उत्पाद में वानिकी का योगदान

वर्ष	योगदान (लाख रू.)	वृद्धि%	योगदान%
2014–15	536211	25.15	3.06
2015–16	539469	0.61	2.99
2016–17	658802	22.12	3.37
2017–18	669349	1.60	3.28
2018–19	664873	–0.67	3.04

(स्त्रोत : http://descg.gov.in/)

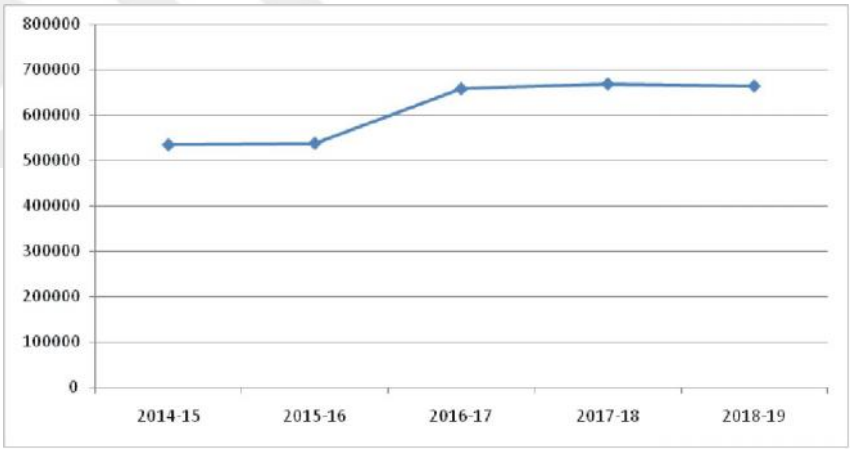

छत्तीसगढ़ में कृषि संबंधित योजनाएं

1. **शाकबंरी योजना :** लघु एवं सीमांत कृषकों को नलकूल निर्माण एवं पंप निर्माण हेतु अनुदान देने के लिए वर्ष 2005 में शाकबंरी योजना का शुभारंभ किया गया जिसका उद्देश्य निजी स्त्रोतों से सिंचाई में वृद्धि करना है। इस योजना के अंतर्गत लघु तथा सीमांत कृषकों को 0–5 हॉर्स पावर तक विद्युत सबमर्सिबल पंप, ड़ीजल पंप एवं पेट्रोल पंप क्रय करने पर 75 प्रतिशत् की छूट या अधिकतम् 16,875 रू. की छूट प्रदान की जाती है। इसके अलावा कुंआ निर्माण पर 50 प्रतिशत् या 22,500 रू. का अनुदान देने का प्रावधान है।
2. **प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना :** इस योजना का उद्देश्य ड्रीप सिस्टम व्यवस्था से कम पानी से अधिक कृषि क्षेत्र को सिंचित करना है।
3. **प्रधानमंत्री मृदा स्वास्थ्य परीक्षण कार्ड़ योजना :** इस योजना का प्रारंभ वर्ष 2016–17 में किया गया इस योजना के अंतर्गत किसानों को केवल 2 रू. में अपने कृषि भूमि का मिट्टी परीक्षण सुविधा प्रदाय की जाती है।
4. **किसान समृद्धि योजना :** इस योजना का पूर्व नाम इंदिरा खेत गंगा योजना है। वृष्टिछाया जिलों में एवं अकाल की स्थिति के निवारण हेतु वर्ष 2002 में इस योजना की शुरूआत की गई।
5. **बीज बैंक योजना :** इस योजना का प्रमुख उद्देश्य कृषकों के समग्र विकास को बढ़ावा देना है। इस योजना के तहत् कृषकों को सामान्य बीज के बदले में प्रमाणिक बीज दिए जाते है।
6. **किसान मितान योजना :** इस योजना का उद्देश्य किसानों को परामर्श देना एवं उनकी समस्या का हल प्रदान करना है।
7. **मुख्यमंत्री अन्न योजना :** इस योजना के अंतर्गत श्रमिकों को मुफ्त में दोपहर का भोजन प्रदान किया जाता है।
8. **सुराजी ग्राम योजना :** इस योजना का उद्देश्य ग्रमीणों को स्वावलंबी बनाना है। यह योजना नरवा, गरूवा, घुरवा अऊ बारी पर आधारित है। जहाँ नरवा का अर्थ ग्रामीण अंचलों के नहर जल स्त्रोतों से है। गरूवा का आशय पशुधन की अच्छी व्यवस्था करना है। घुरवा से तात्पर्य पशुओं के गोबर से जैविक खाद्य एवं गोबर गैस से है जबकि बाड़ी अर्थ घर से लगे बगीचें से है। वर्तमान छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा इस योजना हेतु नारा दिया गया है, छत्तीसगढ़ के चार चिन्हारी नरवा, गरूवा, घुरवा अऊ बारी ऐला बचाना हे संगवारी है।

निष्कर्ष

उपर्युक्त अध्ययन यह बताता है कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है। कृषि राज्यीय आय का प्रमुख स्त्रोत है। वर्ष 2018–19 में राज्य की सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 37,42,684 लाख रूपये रहा। राज्य की कुल कार्यशील जनसंख्या का 55 प्रतिशत् कृषकों का तथा 26 प्रतिशत् जनसंख्या कृषि मजदूर के रूप में कृषि कार्य में संलग्न है। राज्य की कृषि लघु पैमाने वाली प्रधान खाद्यान्न फसलें की कृषि है 90 प्रतिशत् से अधिक क्षेत्र में खाद्यान्न फसलें उत्पन्न की जाती है। राज्य की कृषि मुख्यतः मानसून पर निर्भर है। 75 प्रतिशत् कृषक परंपरागत् तरीकों से कृषि कार्य करते है। प्रदेश में सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से निरंतर कृषि विकास के लिए कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेष में कृषि विकास की पर्याप्त संभावनाएं है।

संदर्भ सूची

1. छत्तीसगढ़ आर्थिक सर्वेक्षण प्रतिवेदन वर्ष 2019–20।
2. दैनिक भास्कर सामाचार–पत्र।
3. नवभारत सामाचार–पत्र।

****